क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 179, सोमवार, 23 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

'गुड टच-बैड टच' के फर्क से समझी बच्ची, 18 महीनों से भाई कर रहा था रेप

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्कूल में बच्चों को गुड टच और बैड टच यानी सही और गलत मंशा से छुने पर बताए जाने के दौरान पंजाब में एक 11 साल की बच्ची ने अपनी दोस्त को बताया कि उसके 22 साल के भाई द्वारा ही उसका शारीरिक शोषण किया गया है। पिछले 18 महीनों में अपने भाई के द्वारा कई बार शारीरिक शोषण की शिकार पीड़िता पंजाब के खरड़ की रहने वाली है। बच्ची ने अपनी मां को जब पहली बार इस बारे में जानकारी दी, तो मां ने इसे कोई ऊपरी चक्कर समझ उसे तांत्रिक के पास ले गई। इसके बाद मां ने बेटे को दोबारा रंगे हांथ पकड़ा तो बेटे को घर से निकाल दिया। साथ ही उसने बेटी को इस बारे में किसी को भी कुछ न बताने को कहा। इसी महीने 20 जुलाई को जब बच्ची ने स्कूल में अपनी एक दोस्त को बताया कि उसका भाई उसके साथ वह सब कर रहा था, जो उन्हें बैड टच यानी गलत नीयत से छुना बताया गया था। इसके बाद बच्ची की दोस्त ने इसकी जानकारी अपनी टीचर को दी, जिसके बाद स्कूल के द्वारा इस मामले की जानकारी चाइल्ड लाइन को दी गई। इस मामले में आईपीसी की धारा 376 के तहत खरड़ के सदर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। स्टेशन हाउस ऑफिसर सदर के इंस्पेक्टर भगवंत सिंह ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी साइकिल रिपेयरिंग के दुकान पर काम करता है। आरोपी की मां ने भी बताया कि उसने आरोपी को पीड़िता का उत्पीड़न करते हुए रंगे हांथ पकड़ा था। आरोपी को आज रविवार को कोर्ट में पेश किया गया।

गांव की यह लड़की बनी राष्ट्रीय चैंपियन

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ स्पोर्ट्स हॉस्टल काजल शर्मा दो साल पहले पिलखुआ के कंधोला गांव में खेतों की मेड़ों पर दौड़ती थी। घर से दौड़ते हुए बाजार जाती थी और वापस आती थी। स्कूल भी वह दौड़ते हुए जाती थी। दौड़ने की इसी लगन से काजल ने एक के बाद एक राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत लिए। शनिवार की शाम काजल ने गुजरात में हो रही राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2000 मीटर स्टीपलचेज में नए रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। काजल ने इस दौड़ में 7 मिनट 11.99 सेकेंड का समय निकालकर नया मीट रिकार्ड बनाया। इससे पूर्व यह रिकार्ड (7 मिनट 21.23 सेकेंड) प्रियंका के नाम था। उन्होंने यह 2016 में बनाया था। काजल शर्मा तब सुर्खियों में आई थीं जब उन्होंने पिछले साल जनवरी में हुई राष्ट्रीय जूनियर क्रासकंट्री में स्वर्ण पदक जीता था।

पिता हैं किसान

काजल शर्मा 15 साल की हैं। पिता देवेंद्र शर्मा कंधोला में खेती करते हैं। काजल की पांच बहने और एक भाई है। इतने बड़े परिवार का खर्च पिता खेती करके ही उठाते हैं। उनका परिवार आर्थिक तंगी से भी गुजर रहा है। पिछले साल उन्होंने अपनी बेटी का दाखिला खेल विभाग के एथलेटिक्स हॉस्टल में कराया था। इसके पीछे उनकी नीयत यही थी बेटी की पढ़ाई-लिखाई व भोजन मुफ्त में सरकार की तरफ से मिलेगा। खेलने में आगे निकल गई तो अच्छी जगह नौकरी मिल जाएगी। उनकी बेटी का जीवन दुरुस्त हो जाएगा।

इस उम्मीद से हास्टल में भर्ती कराया

पिता ने जिस उम्मीद से काजल को 2016 में हॉस्टल में भर्ती कराया था उस पर काजल ने खरा उतरना शुरू कर दिया है। अपनी पहली ही राज्य क्रासकंट्री चैंपियनशिप में काजल चैंपियन बन गईं। इसके बाद अण्डर-16 की दो किलोमीटर राष्ट्रीय क्रासकंट्री का स्वर्ण पदक जीता। फिर तो हैदराबाद, विजयवाड़ा में हुई राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीत लिए। पिछले साल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अण्डर-18 वर्ग काजल ने 2000 मीटर स्टीपल चेज में 7 मिनट 29.69 सेकेंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता।

राज्यपाल राम नाईक ने कहा - कानून व्यवस्था बेहतर हुई और सुधार की जरूरत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने अपने चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर कहा है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हो रहा है। अभी इसमें और सुधार की जरूरत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संवेदनशीलता के साथ इस पर काम कर रहे हैं।

राजधानी में पेड़ काटने के विरोध में शनिवार को मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को इस मुद्दे पर जागरूक करते वन बिलियन राइजिंग दिल्ली व सिटीजन फॉर ट्री के कार्यकर्ता।

रेल राज्यमंत्री रविवार को यहां गाजीपुर सिटी स्टेशन पर नई वाशिंग लाइन का उद्घाटन करते हुए कहा कि बहुत जल्द ही पूरे देश में मालगाड़ियों के लिए अतिरिक्त पटरी बिछा दी जाएगी।

ट्रेनों की लेटलतीफी दूर करने के लिए रेलवे ने बनाया प्लान

गाजीपुर (एजेंसी)। ट्रेनों के समय से ना चलने से सभी परेशान है। रेलवे ने इसे दूर करने के लिए कई बार बैठकें की और अधिकारियों को आदेश दिया था कि ट्रेनें समय से चलाई जाए। इसकी निगरानी रेल मंत्री पीयूष गोयल खुद कर रहे हैं।

रविवार को रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा ने कहा कि लोगों को ट्रेनों की लेटलतीफी से जल्द ही निजात मिलेगी। इसके लिए रेलवे तेजी से काम कर रहा है। रेल राज्यमंत्री रविवार को यहां गाजीपुर सिटी स्टेशन पर नई वाशिंग लाइन का उद्घाटन करते हुए कहा कि बहुत जल्द ही पूरे देश में मालगाड़ियों के लिए अतिरिक्त पटरी बिछा दी जाएगी। मालगाड़ियों के लिये अलग पटरी बिछ जाने से यात्री ट्रेन का नियमित संचालन होगा और लोगों को लेटलतीफी से छुटकारा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार इसके लिये गंभीर है। शीघ्र ही रेल की पटरियों को बदलने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा, उसके बाद ट्रेनें नियमित समय से संचालित हो सकेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि रेल की पटरियों से बोझ कम करने के लिए माल गाड़ियों के लिए अतिरिक्त रेल लाइन बिछाने का कार्य भी युद्धस्तर पर चल रहा है। इस दौरान उनके साथ रेलवे बोर्ड के यातायात रेलवे सलाहकार गिरीश पिल्लई मौजूद रहे।

भाजपा ने किसानों को धोखा देने का बनाया रिकार्ड

शाहजहांपुर की रैली में किया किसानों का उपहास

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव कहा है कि भाजपा ने अन्नदाताओं को धोखा देने का रिकार्ड बना लिया है।

श्री यादव ने शनिवार को यहां जारी बयान में कहा कि भाजपा ने शाहजहापुर में 'किसान कल्याण रैली' करके किसानों का उपहास किया है। उन्होने कहा कि भाजपा अन्नदाताओं को धोखा देने का रिकार्ड बना लिया है उन्होने कहा कि भाजपा शासन में किसान की सबसे ज्यादा दुर्दशा है। समाजवादी सरकार में किसानों की कर्जमाफी के साथ उसकी बंधक जमींन की नीलामी पर भी रोक लगा दी गई थी। मुफ्त सिंचाई की व्यवस्था थी और नियमित विद्युत आपूर्ति हो रही थी। भाजपा राज में किसान की जमींन कर्ज में फंसी है। उसे उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। गेंहू क्रय केंद्रो में उससे बदसलूकी होती है। गन्ना किसानों का अभी तक बकाया अदा नहीं हुआ है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री लाख छिपाये, सच तो यह है कि किसान को खेती में अपनी फसल का लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। खाद, टैक्टर, कीटनाशक दवाइयों पर जीएसटी को मार पड़ रही है। कर्जमाफी में भी घोटाला हुआ है। कर्ज से परेशान लगभग 40 हजार किसान भाजपा राज में आत्महत्या कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसान और गांव-खेती को अपनी प्राथमिकता में कभी नहीं रखा है। किसान उसके लिए सिर्फ वोट बैंक है। गांवों के विकास में उसकी रूचि नहीं। किसान और गांव की जगह भाजपा की विशेष रूचि कारपोरेट घरानों में है।

कमरे में मिली महिला की सड़ी-गली लाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। छतरपुर में एक महिला की घर में सड़ी-गली लाश मिली। मृतका की शिनाख्त अमिता (36) के तौर पर हुई, जो मूल रूप से पटना निवासी थी। जब तक परिजनों को घटना के बारे में पता चला, तब उसकी मौत हो चुकी थी। शव की हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि पुलिस को बिसरा रिपोर्ट का इंतजार करना पड़ रहा है। पुलिस उपायुक्त रोमिल बानिया के मुताबिक अमिता की बहन प्रियंका की शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी पति दिवाकर की तलाश कर रही है।पुलिस के अनुसार अमिता मूल रूप से कंकड़बाग पटना की रहने वाली थी और उसका पति दिवाकर गुरुग्राम स्थित कंपनी में प्रबंधक के पद पर तैनात है। अमिता पटना से दिल्ली पढ़ने आई थी। पढ़ाई करने के बाद उसने नौकरी भी की। इसी दौरान मेट्रोमोनियल के जरिए बेगुसराय निवासी दिवाकर के संपर्क में आई।

अमित शाह ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कहा

प. बंगाल,केरल व आंध्र नहीं जीत लेते, तब तक जीत अधूरी

जयपुर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने देश के 29 राज्यों में भाजपा की जीत को अधूरी बताते हुए कहा है कि पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, तेंलगाना, केरल, तमिलनाडु एवं कनार्टक को नहीं जीत लिया जाता तब तक पार्टी की जीत पूरी नहीं होगी। श्री शाह शनिवार को यहां भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में बोल रहे थे।

2019 का चुनाव जीतने के बाद आगे हमें कोई नहीं रोक सकता

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पंचायत से संसद तक पचास साल तक हमारी विजय हो, ऐसी आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा कि देश के 70 प्रतिशत भू-भाग और 19 राज्यों में भाजपा ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि पार्टी स्थापना के समय सिर्फ दस सदस्य थे और आज यह 11 करोड़ सदस्यों की विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। आजादी के बाद पहली बार किसी गैर कांग्रेसी दल को इतना बड़ा प्रचंड बहुमत मिला है, वह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को मिला है। उन्होंने वर्ष 2019 में होने वाले चुनाव को महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा कि इसे हम जीतेंगे, इस जीत के बाद आगे हमें कोई रोक नहीं सकता। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में हमारे संगठन की सबसे पुरानी ईकाइयां हैं, जहां विजय की सबसे पहले शुरुआत हुई। इस बार भी इन तीनों राज्यों में हम सरकार बनाएंगे और उसके बाद लोकसभा में जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर प्रधानमंत्री बनाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि एंटीइनकमबेंसी है, शायद कांग्रेस भूल गई कि भाजपा कार्यकर्ताओं को सौ एंटीइनकमबेंसी को घोलकर पीना आता है। उन्होंने कहा कि जिस कार्यकर्ता में जोश और जज्बा नहीं है, उसके लिए चुनावी युद्ध में कोई जगह नहीं होती। हम सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि सब अठारह घंटे काम करें, यदि देश के प्रधानमंत्री और भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष अठारह घंटे काम कर सकते हैं तो आप क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती। कांग्रेस का सगठनात्मक ढांचा खत्म हो गया है। अब तो कांग्रेस में भ्रष्टाचारियों का जमघट बचा है। उन्होंने कहा कि वह राजस्थान के सभी शक्ति केन्द्रों के अध्यक्षों से सीधी बात करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी में इधर-उधर की बात करने वालों को कोई जगह नहीं।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में फिर बनेगी भाजपा की सरकार

अमित शाह ने दावा किया है कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेंगी और इसके बाद अगले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही देश के फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। श्री शाह शनिवार को यहां प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए यह दावा किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नेतृत्व में लड़ा जाएगा और प्रचंड बहुमत के साथ वह एक बार फिर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनेंगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान के साथ छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी भाजपा एक बार फिर सरकार बनाएंगी और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में श्री मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस की परंपरा इस बार टूट जाएगी।

अमरावती नवोन्वेषण का केंद्र बनेगी : चंद्रबाबू

आंध्रप्रदेश के सीएम ने निवेशकों को किया संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि राज्य की राजधानी अमरावती भविष्य में देश में 'नवोन्वेषण का केंद्र' बनेगी।

श्री नायडू ने यहां निवेशकों और कारोबारियों को संबोधित करते हुए उन प्रयासों एवं कदमों का विस्तृत उल्लेख किया, जिसके जरिये उनकी सरकार आंध्र प्रदेश को न केवल रहने, बल्कि कारोबार की दृष्टि से नंबर-एक बना रही है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश कारोबारी सुगमता की दृष्टि से देश के सभी राज्यों में अव्वल है। उन्होंने कहा, 'हम आंध्र प्रदेश को रहने और कामकाज की दृष्टि से देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने को लेकर कटिबद्ध हैं। हम इसे 'इनोवेशन वैली' बनाएंगे। अमरावती नवोन्वेषण का केंद्र बनेगी, जिसमें मीडिया सिटी, गवर्नमेंट सिटी, जस्टिस, फाइनेंस, नॉलेज, टूरिज्म, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्पोर्ट्स सिटी होंगे।' उन्होंने कहा, 'आर्थिक तंगी ने हमारे समक्ष बाधाएं खड़ी की है, इसके बावजूद आंध्र प्रदेश के विकास के एक मात्र लक्ष्य को हमने दिमाग से निकलने नहीं दिया है। हमने प्रतिवर्ष 10-11 प्रतिशत की दर से विकास किया है और प्रतिव्यक्ति आय में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार नौ सिटी बना रही है और उनका लक्ष्य इन्हें न केवल प्रौद्योगिकी और सेवा की दृष्टि से बेहतर बनाने की है, बल्कि वहां के नागरिकों के कामकाज और जीवन के बीच संतुलन बनाने वाले 'हैप्पी सिटीज' के निर्माण की भी है।

अविश्वास का कारण पूछने पर गले पड़ गए राहुल : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जब उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से अविश्वास का कारण पूछा तो वह उनके 'गले पड़' गए।

श्री मोदी ने यूपी के शाहजहांपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान जब हमने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से अविश्वास का कारण पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे पाए और उनके 'गले पड़' गए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस पूरे प्रकरण से भाजपा की 'नफरत की राजनीति' जाहिर होती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस प्रकरण पर आज ट्वीट किया, ' संसद में कल की बहस का मुख्य मुद्दा.... प्रधानमंत्री ने अपनी बात कहने के लिए कुछ लोगों के दिलों में मौजूद घृणा, भय और रोष का इस्तेमाल किया।' श्री गांधी ने कहा कि इसके उलट कांग्रेस सभी भारतीयों के दिलों में प्रेम और सदभाव बनाएगी जो राष्ट्र निर्माण का एकमात्र रास्ता है।

मध्यप्रदेश के वित्त मंत्री जयंत मलैया शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउसिंल की 28वीं बैठक में शामिल हुए।

बिहार : कांग्रेस हर गांव में नियुक्त करेगी पंचायत अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बिहार में जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने की कवायद शुरू की है। इसके तहत वह राज्य के हर गांव में कमेटी का गठन और पंचायत अध्यक्ष की नियुक्ति करने जा रही है। इसके साथ ही कांग्रेस ने विधायकों और विधान पार्षदों को जिला प्रभारी की जिम्मेदारी देने का भी फैसला किया है।

कांग्रेस के बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल का कहना है कि अगले कुछ महीनों के भीतर बिहार के सभी पंचायतों और गांवों में पार्टी का संगठन होगा। पार्टी भले ही राजद के साथ गठबंधन में चुनाव लड़े, लेकिन वह राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस राज्य में एक बार फिर से गांव-गांव में अपनी मौजूदगी दर्ज कराना चाहती है।

गोहिल ने कहा, 'बिहार में हमारा प्रदेश, जिला और प्रखंड स्तर पर संगठन मौजूद है। हमें यह महसूस हुआ कि जब तक हम पंचायतों और और गांवों के स्तर पर संगठन निर्माण नहीं करेंगे तब तक जमीनी स्तर पर हम मौजूदगी दर्ज नहीं करा सकते। इसलिए हमने हर पंचायत में पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त करने और हर गांव में पार्टी की कमेटी बनाने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा, 'बिहार में करीब 9000 पंचायतें हैं। हर पंचायत के अंतर्गत एक या एक से अधिक गांव हैं। कई पंचायतों में अध्यक्ष की नियुक्ति हो गई है। गांवों में कमेटियां बनाने का काम भी शुरू हो रहा है।' गोहिल ने कहा, 'अपने पंचायत या गांव में पहचान रखने वाले और अच्छी छवि वाले लोगों को पंचायत अध्यक्ष और कमेटी का सदस्य बनाया जा रहा है। गांव की आबादी के हिसाब से कमेटी में सदस्यों की संख्या तय की जाएगी।'

गोहिल ने यह भी कहा, 'बिहार में हमारे 30 विधायक-विधान परिषद सदस्य हैं। हम इनको जिला प्रभारी बनाएंगे। ये लोग पार्टी के कार्यकर्ताओं और आम लोगों की आवाज सुनेंगे और फिर पार्टी को अवगत कराएंगे। इससे संगठन मजबूत होने के साथ ही कार्यकर्ताओं की बात भी प्रदेश स्तर के नेतृत्व तक पहुंच सकेगी।'

गोहिल ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'यह तय है कि हम महागठबंधन में चुनाव लड़ेंगे, लेकिन हमारी कोशिश है कि पूरे राज्य में हमारा संगठन हो। जहां हमारे उम्मीदवार नहीं होंगे वहां कांग्रेस के कार्यकर्ता सहयोगी दल के उम्मीदवार को जिताने के लिए काम करेंगे।'

जिन्दगी न तो भविष्य में हैं और ना तो अतीत में जीवन तो केवल वर्तमान में हैं।

''स्टैंड अप कामेडियंस'

मोदी जी से गले मिलकर अपनी सीट पर आने के बाद अपनी बाई आंख को हल्के से मार के राहुल ने सीन तो एकदम मस्त बनाया था, लेकिन वही हुआ जिसकी उम्मीद थी। भाजपा ने सबसे पहले आपत्ति दर्ज की। फिर चैनलों के कई एंकरों ने भी माना कि राहुल ने अविास प्रस्ताव को लेकर चल रही संसदीय बहस की गरिमा को हल्का कर दिया। समस्या यह है कि लोक सभा को राजनीतिक विचार का सीरियस और मानक मंच माना जाता है जबकि सोशल मीडिया ने विचार-विमर्श के वातावरण को अधिक चपल, तुरंता, चुहलभरा मजाकिया और मसखरा बना दिया है। जो लोग सोशल मीडिया में दिन-रात घृणा और आतंक फैलाते हैं, वे भी ऐसी उपहास वक्रता से डरते हैं। उपहास वक्रता, हास्य, चुटकुले और चुलबुली उक्तियां, वक्रोक्तियां आदि निरंकुशता के वातावरण में ही फलती-फूलती हैं। हास्य-व्यंग्य निर्बल लोगों के जीने की कला है। राहुल के आंख मारने की हरकत पर भाजपा को तो आपत्ति होनी ही थी। कुछ पत्रकारों तक को हैरानी हुई कि ये क्या किया? लेकिन वातावरण ही कुछ ऐसा बोझिल बन गया है कि लोग हंसना भूलने लगे हैं। इसीलिए सोशल मीडिया और फिल्मों में हास्य खूब हिट होता है। ''स्टैंड अप कामेडियंस' इसीलिए पॉपूलर हुए हैं। हमारे राजनीतिक विमर्श की यही बीमारी है कि उसमें हंसी की जगह ही नहीं छोड़ी गई। राहुल ने उसे बनाया भी तो एंकरों तक को नैतिकता की याद आने लगी।हम अविास प्रस्ताव की बहस को याद करें। सब कुछ एक क्रम में हुआ : राहुल ने आलोचनात्मक भाषण दिया। भाषण समाप्त कर उनके पीएम तक जाने, उनके गले मिलने के लिए खड़े होने को कहने और फिर झुक कर उनके ''गले पड़ने' के बाद चल देने और मोदी द्वारा उनको फिर बुलाने, हाथ मिलाने और फिर लौटकर अपनी सीट पर बैठकर एक मिनट बाद बाई आंख मारने की क्रिया समूचे सीन के एकदम सिंक में थी। फिर जब राहुल ने अपने मित्रों को आंख मारी तो उनको निंदा का अवसर मिल गया। मीडिया ने उसकी तुलना मलयाली अभिनेत्री प्रिया प्रकाश तक से कर डाली। यही तो राहुल चाहते थे। इसीलिए मीडिया की सबसे बड़ी खबर बने। अगर किसी को उनका पीएम से गले मिलना ठीक लगा तो उनका अपने मित्रों को आंख मार कर कुछ इशारा करना कैसे गलत हुआ? क्या संसद का ''कोड ऑफ कंडक्ट' ऐसा करने से मना करता है? हमें नहीं मालूम हो तो बताया जाए। फिर तदनुसार कार्रवाई की जाए। लेकिन इससे गले मिलने और आंख मारने का विमर्श कमजोर नहीं हो जाएगा, बल्कि और ताकतवर हो जाएगा। राहुल ने अपनी हरकत से ऐसी ही दोहरी मार की। सोशल मीडिया के इस युग में राजनीति सिर्फ विचारों या भाषणों से ही नहीं होती। आपकी नाटकीय ''देहभाषा' से भी होती है। अगर आपका चेहरा हमेशा तना रहता है, या आप उसे हर समय अति-गंभीर बनाए रहते हैं, जब चलते हैं तो तन कर और अकड़ कर चलते हैं जैसे ''पावर-वॉक' करते हों, कोई आपको देख मुसकुराए तो आपके चेहरे पर जवाबी मुस्कान तक नहीं आती, आप सोचते हैं कि मुसकुराते-हंसते दिखेंगे तो आपकी ''अथॉरिटी' हलकी हो जाएगी। आप ऐसे हैं तो तय मानिए आप ''महानता की बीमारी' के शिकार हैं। भारतीय संस्कृति में हंसी के प्रसंग कम ही नजर आते हैं। पुराणों में एक भी देवी देवता या ऋषि-मुनि हंसते नहीं दिखते जबकि संस्कृत साहित्य शास्त्र के आदि ग्रंथ भरत मुनि ने अपने नाट्य शास्त्र में हास्य को नव रसों में जगह दी है। संस्कृत नाटकों में या तो विदूषक हंसते हैं, या पुराण कथाओं में नारद जी ही कुछ ''कॉमिक रिलीफ' देते दिखते हैं। ''भारतीय संस्कृतिवादी' लोग हंसते, मुस्कुराते, खिलखिलाते नहीं दिखते। आंख मारने की जगह इधर तो ''दंड चालन' ही सिखाया जाता है जबकि अपने समाज में ''हास्य' एक स्थायी भाव की तरह रहता है। दैनिक जीवन में आम आदमी बिना हंसी-ठिठोली के नहीं रहता। जो राजनीति उसे नित्य रुलाती है, उसके प्रतिकार में ही मानो वह हंसता है। हंसी की भी एक राजनीति होती है। वह तमाम तरह की निरंकुशता और पैदा किए गए डरों का प्रतिकार होती है। राहुल की आंख मारने को और उनके हंसने को इसी अर्थ में देखा जा सकता है। ओढ़ी हुई गंभीरता के खिलाफ यह एक ''पोस्ट मॉडर्न डिसरपन' है, जिसने पल भर में गंभीरता की सारी हवा निकाल दी। राहुल की यह मुस्कुराती देहभाषा नई पीढ़ी की देह भाषा है। इससे डरने वाले ही इसे आपत्तिजनक मान सकते हैं।

घोड़े की 50 हजार नाल से बनी ड्रैगन की मूर्ति

इंग्लैंड के सरे शहर में द स्कल्पचर पार्क के मालिक एडी पॉवेल ने मिस्टर पूलमैन को दो छोटी मूर्ति यां बनाने का काम दि या था, लेकिन कुछ बड़ा करने को कहा था। इसके लिए उन्होंने काफी लंबा समय लिया। 12 साल लगे उन्हें ड्रैगन की एक मूर्ति बनाने में। लेकिन यह कोई साधारण मूर्ति नहीं है। इसे घोड़े की 50 हजार नाल का उपयोग कर बनाया गया है। यह मूर्ति 17.8 टन वजनी है।

पूलम को इस मूर्ति को बनाते हुए नालों को जोड़ेद रखने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान उन्हें काफी चोट भी आई और कपड़े भी जल गए। इस मूर्ति को सबसे पहले देखने वाले पॉवेल ने कहा कि यदि पूलमैन के यार्ड में एक फुट अति रिक्त भी जगह होती तो उन्होंने इसे एक फुट और बड़ा बनाया होता। पूरे यार्ड को इस मूर्ति ने घेर रखा था। मालिकों के अनुसार यह वर्ल्ड रिकॉर्ड की हकदार है और वे जल्द ही इसका दावा पेश करेंगे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के अनुसार घोड़ों की नाल से सबसे बड़ी मूर्ति बनाने का रिकॉर्ड डॉनी फ ॉक के नाम पर है। उन्होंने 1071 नाल का उपयोग कर एक घोड़े की मूर्ति बनाई थी।

सत्संग

खुद के साथ रहने से मिलती है ऊर्जा

चाहें या न चाहें, सभी को दो तरह से जीना पड़ता है। या कहें कि जीने के लिए दो प्रकार के अवसर मिलते हैं। पहला, जब हम दूसरों के साथ जीवन बीता रहे होते हैं और दूसरा मौका स्वयं के साथ जीने का होता है। इन स्थितियों से कोई नहीं बचेगा। जब दूसरों के साथ जीते है, जो कि जरूरी भी है, उस समय हमारी तैयारी अपने साथ जीने की भी होनी चाहि ए। यदि स्वयं के साथ जीने की तैयारी नहीं है तो तनाव में पड़ेंगे, अशांत रहेंगे। जब दूसरों के साथ रहते हैं तो उसमें अहंकार, स्वार थे, झूठ, छल ये सब अपना काम करते ही हैं। खासकर मेरे- तेरे का खेल होना स्वाभाविक है। सामने वाले की अपनी सोच, आपकी अपनी मर्जी दोनों टकराएंगी ही। यदि आप सिर्फ दूसरों के साथ जीते हैं तो जरूर अशांत रहेंगे। इसलिए खुद के साथ जीने का ढंग भी आना चाहि ए और यह संभव हो सकता है योग से। जब स्वयं के साथ जीते हैं तो हमारी और ईश्वर की मर्जी जुड़ जाती हैं। योग सि खाता है कि हमारे ऊपर भी एक परमशक्ति है। तो आपकी इच्छा को उस परमशक्ति की इच्छा से जोड़ दीजिए। बस, यहां से टकराहट बंद और आप शांत होना शुरू हो जाएंगे। हम मनुष्य बिना मांगे रह नहीं सकते। इसलिए ऊपर वाले से भी यह मांग करें कि मेरी मर्जी में तेरी मर्जी जुड़ जाए। फिर देखिए, आप व्यकित कोई और होने लगेंगे। अपने साथ रहने के बाद जो ऊर्जा प्राप्त होगी वही ऊर्जा दूसरों के साथ रहते हुए भी शांत रहने में मदद करेगी। कुछ समय अपने साथ जरूर रहि ए, फिर संसार के साथ रहने में दिक्क त नहीं आएगी।

सूचना के अधिकार कानून में संशोधन

सरकार भी इसमें कुछ शतरे जोड़ने और कई मामलों को सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर करने के लिए संशोधन लाने की बात करने लगी थी, लेकिन इस पर हंगामा उठा तो उसने अपनी वह योजना मुल्तवी कर दी थी। तब सूचना के अधिकार को ढीला करने की कोशिश का आरोप मढ़ने में भाजपा भी सबसे आगे थी। लेकिन आज सत्ता में होने पर उसकी बोली बदल गई है। हालांकि यह जरूर कहना होगा कि यूपीए और कांग्रेस नेतृत्व ने इस कानून का हमेशा पक्ष लिया और किसी तरह के फेरबदल से इनकार किया। मौजूदा एनडीए सरकार में तो सूचना देने से इनकार करने की कई मिसालें हैं।

सतीश पेडणोकर

सूचना के अधिकार कानून में संशोधन टल गया। इस संशोधन के जरिए सरकार केंद्र और राज्यों में सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन-भत्ते तय करने में अपना अधिकार चाहती है। अभी 2005 के सूचना का अधिकार कानून में उनका पांच साल का तय कार्यकाल है और वेतन-भत्ते चुनाव आयोग के बराबर हैं। इस तरह एक मायने में सूचना आयुक्त का पद सरकार की दखल से परे है। सरकारी दलील है कि सूचना आयुक्तों को चुनाव आयोग के बराबर दर्जा देना मुनासिब नहीं है। लेकिन इससे तो सूचना आयुक्तों के मामले में सरकारी दखलअंदाजी बढ़ जाएगी। आरटीआई कार्यकर्ताओं का विपक्षी दलों की ये शंकाएं बेजा नहीं कही जा सकतीं कि इससे आरटीआई कानून कमजोर हो जाएगा और एक मायने में सूचना आयोग का संवैधानिक दर्जा भी खत्म-सा हो जाएगा। दरअसल लंबी हीला-हवाली और इंतजार के बाद पिछली यूपीए सरकार के दौरान देश में लोगों को सूचना का अधिकार (आरटीआई) 12 अक्टूबर 2005 को हासिल हुआ। लेकिन बाद में पिछली सरकार को भी यह रास नहीं आ रहा था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने तो 2013 में यह कहा भी कि सूचना के अधिकार का दुरु पयोग हो रहा है और यह सरकारी कामकाज में अडंगे की वजह बन रहा है। मनमोहन सरकार भी इसमें कुछ शतरे जोड़ने और कई मामलों को सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर करने के लिए संशोधन लाने की बात करने लगी थी, लेकिन इस पर हंगामा उठा तो उसने अपनी वह योजना मुल्तवी कर दी थी। तब सूचना के अधिकार को ढीला करने की कोशिश का आरोप मढ़ने में भाजपा भी सबसे आगे थी। लेकिन आज सत्ता में होने पर उसकी बोली बदल गई है। हालांकि यह जरूर कहना होगा कि यूपीए और कांग्रेस नेतृत्व ने इस कानून का हमेशा पक्ष लिया और किसी तरह के फेरबदल से इनकार किया। मौजूदा एनडीए सरकार में तो सूचना देने से इनकार करने की कई मिसालें हैं। जिस राफेल सौदे में विमानों के दाम में भारी इजाफे को लेकर विपक्षी दलों की ओर से शंकाएं उठ रही हैं, उसकी सूचना देने से इनकार करने की वजह फ्रांस से हुए गोपनीयता की संधि का हवाला दिया जा रहा है। यह दलील अगर जायज भी मान ली जाए तो ऐसी अनेक मिसालें हैं, जिसमें ऐसी सूचनाएं देने से भी संवेदनशीलता और गोपनीयता के नाम पर इनकार किया गया, जिनके लोगों की जानकारी में आने से लोकतंत्र की भावना ही मजबूत होगी। मसलन, सरकारी बैंकों के बड़े कर्जदारों के नाम क्यों नहीं जाहिर होने चाहिए। कुछेक जो मामले खुले भी हैं, वे घोटाले-घपलों के खुलने ही सार्वजनिक जानकारी में आ पाए हैं। असल में हर सार्वजनिक कामकाज पर लोगों की नजर रहने से वह अंकुश बना रहेगा, जो लोकतंत्र को सही रास्ते पर बनाए रखेगा। आरटीआई कानून को संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में प्रदत्त बोली और अभिव्यक्ति की आजादी का ही विस्तार माना गया है। इस कानून के मौजूदा स्वरूप की जमीन तैयार करने में सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों की अहम भूमिका रही है। सुप्रीम कोर्ट 24 जनवरी 1975 में बहुचर्चित उत्तर प्रदेश राज्य बनाम राजनारायण तथा अन्य मामले में ही इस पर जोर दे चुका था कि सूचना का अधिकार बोली और अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था,''इस देश के लोगों को हर सार्वजनिक काम, वह सब कुछ जो सार्वजनिक दायरे में सार्वजनिक पदाधिकारियों द्वारा किया जाता है, उसे जानने का अधिकार है। उन्हें हर सार्वजनिक लेन-देन के हर ब्योरे जानने का अधिकार है। बोली की आजादी की अवधारणा से निकला जानकारकार अधिकार बिना शर्त तो नहीं है, लेकिन यह ऐसी वजह है कि जब भी लेन-देन को गोपनीय बताया जाए तो सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि उसका सार्वजनिक सुरक्षा से कोई लेना-देना नहीं हो सकता। सामान्य रोजमर्रा के कामकाज को गोपनीयता के पर्दे में छुपाना सार्वजनिक हित में नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट उसके बाद भी कई मामलों में ये बातें दोहरा चुका है। यही नहीं, संयुक्त राष्ट्र भी कई बार अपने मानवाधिकार प्रस्तावों में सूचना का अधिकार मुहैया कराने की अपील करता रहा है।दुनिया के कई देशों खासकर पश्चिमी यूरोप के देशों में सूचना के अधिकार को बेहद अहम माना जाता है। स्वीडन पहला देश है, जहां 1766 में लेखन और प्रेस की आजादी के रूप में सूचना के अधिकार पर अमल हुआ था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र ने सूचना के अधिकार को मान्यता दी। संयुक्त राष्ट्र ने 1948 में इस प्रस्ताव को अपना लिया। संयुक्त राष्ट्र में 14 दिसम्बर 1946 को कहा गया, ''सूचना का हक एक बुनियादी मानवाधिकार है और उन नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए पारस पत्थर की तरह है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिष्ठित किया है।' 16 दिसम्बर 1948 को ऐलान किए गए सार्वजनिक मानवाधिकार उद्घोषणा का अनुच्छेद 19 कहता है, ''हर किसी को अपनी राय बनाने के लिए सूचना और विचारों के आदान-प्रदान की आजादी है।'यह इतिहास याद करने की वजह सिर्फ यह है कि सूचना का अधिकार लंबी जद्दोजहद के बाद हासिल हुआ है, इसलिए हमेशा उसके विस्तार पर जोर देने की दरकार है, न कि उस पर किसी तरह की पाबंदी लादने की। हमारे राष्ट्र और संविधान निर्माताओं ने बार-बार इस पर जोर दिया है कि सूचनाओं और जानकारियों का निरंतर प्रवाह ही लोकतंत्र को मजबूत करने और लोगों को अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने का अहम जरिया है। समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने तो मातृभाषा में सरकारी कामकाज की अनिवार्यता के पक्ष में इस दलील का विस्तार किया था। उन्होंने कहा था, ''अदालतों में वकील अंग्रेजी में उसी तरह बोल देता है, जैसे कोई जादूगर अगड़म-बगड़म छू कह कर चमत्कृत कर देता है। अगर देश का आम आदमी की अपनी भाषा में ये सब काम होंगे तो वह समझ पाएगा कि क्या चल रहा है। संभव है कि वह भी कोई अनोखी दलील पेश कर सके। लेकिन वैसा होने पर हमारे सरकारी मुलाजिमों और वकील वगैरह का असर खत्म हो जाएगा, इसलिए वे अपने हित में पराई भाषा को बनाए रखना चाहते हैं।'जाहिर है, यह दलील वही है, जो लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अहम है। इसी वजह से तथाकथित संवेदनशील और गोपनीय विषयों की सूची बेहद छोटी होनी चाहिए। यह सूची जितनी लंबी होगी, समझिए लोकतंत्र का दायरा उतना ही छोटा होगा। यह तभी होगा, जब सूचना मुहैया कराने की व्यवस्था किसी तरह की दखलअंदाजी से मुक्त होगी। इसलिए सूचना के अधिकार और सूचना आयुक्तों का दर्जा, न्यायालयों, चुनाव आयोग से कमतर महत्त्व का नहीं है। सूचना आयुक्तों को सरकार के रहमोकरम पर नहीं, बल्कि अधिक स्वतंत्र और स्वायत्त करने की दरकार है, ताकि वे हर सार्वजनिक कामकाज, सार्वजनिक लेन-देन की जानकारियां लोगों को मुहैया कराने में सक्षम हों और हर सरकार को उनके फैसलों और निर्देशों पर अमल करना अनिवार्य हो। दरअसल, संशोधन तो यह होना चाहिए कि सूचना के अधिकार से वंचित करने वालों को दंडित किया जा सके। बेशक उसकी शर्तें तय होनी चाहिए क्योंकि दुरुपयोग की संभावना भी हमेशा बनी ही रहती है। ऐसे प्रावधान भी किए जाने चाहिए कि किसी सरकार या संसद के लिए अपनी बहुसंख्या के बल पर सूचना के अधिकार को ढीला करने की प्रक्रिया असान न हो। ठीक उसी तरह जैसे इमरजेंसी के बाद आई जनता पार्टी की सरकार के दौरान संविधान संशोधन के जरिए इमरजेंसी लगाने और नागरिक स्वतंत्रताओं को मुल्तवी करने को लगभग असंभव-सा बना दिया गया था। क्या सरकार और तमाम राजनैतिक पार्टियां इस ओर ध्यान देंगी!

चलते चलते

कंपनियों की तरह संपन्न वर्ग भी सामाजिक उज़रदायित्व ले

देश की दिग्गज दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल समूह ने पारिवारिक संपत्ति का 10 प्रति शत हिस्सा धर्मार्थ कार्य के लिए देने का निर्णय लिया है। कुछ दिन पहले ही इन्फोसिस के सह संस्था पक नंदन नीलेकणि ने बिल गेट्स के गिविंग प्लेज नेटवर्क से जुड़ने की घोषणा की थी। इससे जुड़ने वाले को अपनी आधी या उससे अधिक संपत्ति जनसेवा कार्यों में लगानी होती है। इस प्लेज नेटवर्क से जुड़कर अजीम प्रेम जी भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम कर रहे है। जाहिर है कंपनि यां अपने प्रचार-प्रसार पर इतने पैसे खर्च करती है, उसका कुछ हिस्सा यदि सामाजिक कार्यों में लगाएं तो उनके साथ समाज को भी फायदा होता है। जब कोई कंपनी जनता के कल्या ण के लिए प्रत्यक्ष रूप से कुछ कार्य करती है तो

कुछ दिन पहले ही इन्फोसिस के सह संस्था पक नंदन नीलेकणि ने बिल गेट्स के गिविंग प्लेज नेटवर्क से जुड़ने की घोषणा की थी। इससे जुड़ने वाले को अपनी आधी या उससे अधिक संपत्ति जनसेवा कार्यों में लगानी होती है। इस प्लेज नेटवर्क से जुड़कर अजीम प्रेम जी भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम कर रहे है। जाहिर है।

इससे उस कंपनी के प्रति लोगों में सद्भाव का प्रसार होता है और आमजन के साथ उसमें काम करने वाले सभी स्तर के कर्मचारियों का भी उस पर विश्वास बढ़ता है। इससे कंपनी की उत्पादकता बढ़ती है। उस कंपनी की क्रेडिट रेटिंग बढ़ने से लोग उसमें अपना नि वेश करना पसंद करते हैं। 2013 के कंपनी कानून के अनुसार एक निश्चित सीमा से अधिक टर्नओवर प्राप्त करने वाली कंपनियों के लिए कुल आय का 2 प्रतिशत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए खर्च करना अनिवार्य कर दिया गया है। बहरहाल, 5 करोड़ रुपए मुनाफे, 5 अरब रुपए पूंजी अथवा 10 अरब रुपए के टर्नओवर वाली कंपनि यां ही इससे प्रभावित हैं।

इसके दायरे को विस्ता रित करने की आवश्यकता महसूस हो रही है क्योंकि, इसके कारण आमजनों, खासकर वंचि त तबके को कई फायदें होते है जैसे शिक्षा के क्षेत्र में कई औपचारिक या अनौपचारिक प्रयास, पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं,महिला सशक्तिकरण के प्रयास आदि। सिर्फ कंपनियां ही नहीं बल्कि संपन्न वर्गों को भी सदि यों से शोषित, पिछड़े, असहाय वर्गों की उन्नति में सहायता प्रदान करनी चाहिए और उनके उत्था न के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। ताकि देश को महानता के शिखर पर पहुंचाया जा सके।

फोटोग्राफी...

इट्स रिहर्सल टाइम...

चीन के स्वायत्त क्षेत्र गुआंक्सी झुआंग के शहर गुईलिन की लिजियांग नदी में अपने शो की प्रेक्टिस इन कलाकारों ने ट्रांसपेरेंट बोट में बैठकर की।

रणनीतिक साझेदारी

भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी और सकारात्मक सहयोग स्थापित करने की सदिच्छा रखने वाले लोगों के लिएअच्छी खबर है। टू प्लस टू की कूटनीति के जरिए नई दिल्ली और वाशिंगटन अपने रणनीतिक संबंधों को नईऊंचाईदेने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। बहुप्रतीक्षित टू प्लस टू वार्ता छह सितम्बर को नईदिल्ली में होगी। पहले यह वार्ता छह जुलाईको वाशिंगटन में होनी थी। लेकिन अमेरिका ने बिना कोईकारण बताए इस वार्ता को स्थगित कर दिया था। हालांकि इस वार्ता के स्थगन को लेकर दो तरह की अटकलें लगाईगईथीं। पहले यह कहा गया कि अमेरिकी विदेश मंत्री माइकल पोम्पिओ की उत्तर कोरिया की यात्रा की वजह से इसे टाल दिया गया था। यह भी कहा गया था कि ईरान के मसले पर भारत के ऊपर दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने इस वार्ता को स्थगित किया था। विदेश नीति के विचार विमर्श में टू प्लस टू वार्ता का मतलब दो देशों के बीच संवाद की प्रक्रिया को संस्थाबद्ध करने से है। द्विपक्षीय संवाद की इस प्रक्रिया में भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्री के बीच द्विपक्षीय क्षेत्रीय और साझा हितों के नियंतग्र मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भारत की ओर से विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन अपने अमेरिकी समकक्षों माइकल पोम्पिओ और जेम्स मेडिस के साथ दोनों देशों के शिखर नेताओं के बीच भविष्य में होने वाली वार्ता का आधार तय करेंगे। इस वार्ता का मकसद यह भी होगा कि नईदिल्ली और वाशिंगटन के बीच रणनीतिक और सुरक्षा हितों को मजबूत किया जाए। वास्तव में टू प्लस टू की वार्ता इस प्रक्रिया और विधि के तहत जापान ने अमेरिका, फ्रांस, रूस और ऑस्ट्रेलिया के साथ रणनीतिक वार्ता की थी, उसी को यहां भी आधार बनाया गया है।

सवाल यह उठता है कि अगर ऐसा कोईसंवाद का तंत्र विकसित हो भी जाए तो क्या इस प्रक्रिया मात्र से दोनों देशों की समस्याओं का हल हो पाएगा क्योंकि भारत और अमेरिका के बीच इस तरह की अनेक द्विपक्षीय संस्थाएं कार्यरत हैं।

बावजूद इसके कोईठोस हल सामने नहीं आ पाता है, और अमेरिका को लगता है कि भारत अमेरिका की क्षमताओं का पूरी तरह से इस्तेमाल करने में असफल रहा है। इस बात से अमेरिका को चिढ़ मची रहती है। भारत और अमेरिका के राजनयिक यह उम्मीद कर सकते हैं कि टू प्लस टू वार्ता से दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों में जो असंतोष उठते रहते हैं, उन्हें शांत किया जा सकता है। इसके अलावा, भारत और अमेरिका भारत-प्रशांत क्षेत्र, चीन की विस्तारवादी नीति और मध्य-पूर्व की चुनौतियों पर बातचीत कर सकते हैं। आपसी बातचीत में रणनीतिक, सुरक्षा और सैन्य सहयोग के मसलों को वार्ता के केंद्रीय आधार बनाया जा सकता है। लेकिन दोनों देशों के राजनयिकों को इस सोच से बचना चाहिए कि केवल इसी प्रक्रिया मात्र से दोनों देशों की समस्या का हल नहीं हो सकता। वास्तव में कूटनीतिक तौर पर एक दूसरे से भारत और अमेरिका क्या चाहते हैं, यह भी स्पष्ट नहीं है, और आपसी समस्याओं के हल न होने का एक बड़ा कारण यह भी है। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका गए थे, इस दरम्यान व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ उनकी मुलाकात के बाद टू प्लस टू वार्ता के प्रारूप की घोषणा हुईथी। उम्मीद है कि इस बार इस वार्ता को टालने का कोई कारण नहीं होगा।

संक्षिप्त

करंट से वृद्ध की मौत

आजमगढ़, दीदारगंज थाना क्षेत्र के नूरपुर गांव में शाम को बिजली विभाग के कर्मियों की उदासीनता से नूरपुर गांव निवासी 63 वर्षीय इंदर मौर्य पुत्र स्व. रघुनंदन की करंट से झुलसकर मौत हो गई। घटना को लेकर ग्रामीणों में बिजली विभाग के कर्मियों के प्रति आक्रोश व्याप्त है। मृत वृद्ध के भाई ने बिजली विभाग के जेई समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कराया है।

बदला मौसम का मिजाज

संतकबीर नगर, बरसात से मौसम खुशनुमा बना। रिमझिम बरसात के बाद शनिवार को झमाझम बारिश हुई। बरसात से उमस भरी गर्मी से राहत मिली और मौसम खुशनुमा बना रहा। इससे किसानों के खुशी का ठिकाना नहीं रहा। खेत को पानी मिलने से किसान भी खुश दिखे। ऐसा लगा जैसे मन मांगी मुराद मिल गई। बरसात के बाद सड़क, कस्बा कीचड़ से सराबोर रहा। जगह-जगह जलजमाव से लोगों को परेशान भी होना पड़ा। बरसात ने तेज धूप व उमस भरी गर्मी से राहत दिलाने का कार्य किया। शहर, नगर, कस्बा, गांव की सड़क की सराबोर होने से राहगीरों की आफत रही। बरसात से जगह-जगह जलजमाव है। सड़क, कार्यालय, विद्यालय परिसर में कीचड़, पानी लगने से समस्या रही।

जाम से घंटों जूझे लोग

अंबेडकरनगर, वाराणसी-लुंबिनी नेशनल हाईवे निर्माण के तहत आलापुर थाना क्षेत्र के न्यौरी बाजार में निर्माणाधीन ओवरब्रिज के कारण यहां हमेशा जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। ओवरब्रिज के समीप एकल मार्ग से वाहनों को निकालने के कारण लोगों को जाम के झाम से मुक्ति नहीं मिल पा रही है। जाम से यात्रियों व राहगीरों के अलावा एंबुलेंस भी काफी देर तक फंसी रही। न्यौरी बाजार में फोरलेन हाईवे पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य प्रगति पर है। शनिवार को ओवरब्रिज के नीचे से दोनों तरफ से आने वाले वाहनों को एक ही रास्ते पर डायवर्ट करने एवं बाजार स्थित चौक पर कार्यदायी संस्था द्वारा नाला निर्माण के लिए महीनों पूर्व से खोदकर छोड़ दिए गए गड्ढे के कारण बाजार में जाम की समस्या अत्यधिक गंभीर हो गई।

शहर में निकला भगवा पदयात्रा

बस्ती, हिंदू युवा वाहिनी भारत के तत्वावधान में शनिवार को शहर में भव्य भगवा पदयात्रा निकाली गई। भगवा झंडा हाथ में लिए कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में निकले तो लोग सड़क के दोनों तरफ देखने के लिए जुट गए। कार्यकर्ता पूरे उत्साह में जयघोष कर रहे थे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह और प्रदेश अध्यक्ष अनुभव शुक्ल के साथ बड़ी संख्या में लोग भगवा यात्रा में शामिल हुए। पीछे वाहनों का लंबा काफिला चल रहा था। आईटीआई कालेज परिसर में सभी कार्यकर्ता एकत्र हुए। भगवा गमछा और भगवा ध्वज लिए लोग जुलूस की शक्ल में निकल पड़े।

जलाशयों को मिला पुनर्जीवन

सुजानगंज (जौनपुर), खुद का अस्तित्व खोने की कगार पर पहुंच चुके तालाबों को पुनर्जीवन मिला है। वजह जो तालाब बरसात बीतने के कुछ दिन बाद ही धूल उड़ाना शुरू कर देते थे उनमें अब लबालब पानी दिखाई देने लगा है। शासन- प्रशासन के सहयोग से आज तालाबों की दशा सुधार की तरफ बढ़ रही है। क्षेत्र में तालाबों की खोदाई का कार्य करीब-करीब पूरा हो चुका है। कुछ तालाबों में अभी खोदाई का कार्य पूरा नहीं किया जा सका है, उसे जल्द से जल्द पूरा कराने पर जोर दिया जा रहा है। खंड विकास अधिकारी जयेश कुमार सिंह के अनुसार आठ तालाबों का कार्य पूरा हो चुका है। इन पर लगभग 35 लाख 60 हजार रुपये खर्च हो चुके हैं। शेष 12 में से अधिकतर तालाबों की खोदाई का कार्य प्रगति पर है। जुलाई के अंत तक उसे भी पूरा कर लिया जाएगा। इनमें कुछ तालाबों को भरने के लिए नहर से जोड़ा गया है। तालाबों को पुनर्जीवन मिलने से जंगली जानवरों संग छुट्टा पशुओं-पक्षियों आदि को भी काफी सहूलियत मिलेगी।

पिटाई से घायल वृद्ध ने तोड़ा दम

रुद्रपुर (देवरिया), कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोइलगढ़हा के बड़का टोला में भूमि विवाद के कारण लाठी-डंडे की पिटाई से घायल वृद्ध की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया है। गांव निवासी सुमेर राजभर ६० का गांव के कुछ लोगों से भूमि विवाद काफी समय से चला आ रहा था। इसी को लेकर २० जुलाई को दबंगों की पिटाई से वह बुरी तरह घायल हो गया था। शनिवार की देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जल संरक्षण से ही बचेगा मानव जीवन

सिराथू(कौशांबी), विकास खंड सिराथू के बारातफारीक गांव स्थित गयादीन साहू इंटर कालेज में जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन भूजल सप्ताह के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक शीतला प्रसाद पटेल ने मौजूद लोगों को जल संरक्षण के संबंध में जानकारी दिया। अंधाधुंध जल के दोहन की वजह से पीने योग्य पानी खत्म होता जा रहा है जिससे बिना जल संरक्षण के आने वाला समय अच्छा नहीं होगा। इसलिए समाज के सभी लोग अभी से जल संरक्षण के बारे में गहन चिंतन करें। घरों में जल रहे नलकूपों को जरूरत के अनुसार से चलाएं व्यर्थ में पानी न बहने दें।

जांच के नाम पर खानापूर्ति से भड़के ग्रामीण

सकलडीहा (चंदौली), धरहरा गांव में दीनदयाल योजना के तहत अधूरे विद्युतीकरण कार्य की जांच करने आए अधिकारियों ने जांच के नाम पर खानापूर्ति की। इतनी बड़ी लापरवाही पर ऊर्जा मंत्री के आदेश का भी उन पर दबाव नहीं दिखा। अधिकारियों ने अनुसूचित जाति बाहुल्य इलाके में भी जाना गंवारा नहीं समझा। उपेक्षा से दुखी ग्रामीणों ने शनिवार को प्रदर्शन कर कार्य पूर्ण कराने की मांग की। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के आदेश पर मुख्य अभियंता एसबी वर्मा शुक्रवार को धरहरा में पिछले तीन वर्षों से अधूरे पड़े विद्युतीकरण कार्य की जांच को पहुंचे थे। विद्युतकर्मियों व ठेकेदार की लापरवाही को संज्ञान में लेने के बाद भी उन्होंने महज चेतावनी की औपचारिकता पूरी की। आरोप है कि उन्होंने अनुसूचित जाति बाहुल्य इलाके में जाने की जहमत नहीं उठाई और जांच की खानापूर्ति कर वापस लौट गए। अधिकारी प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं।

राज्य सरकार के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन

सुलतानपुर, राज्य में कानून व्यवस्था के बेपटरी होने और अराजकता का चारो तरफ माहौल होने का आरोप लगाकर कांग्रेसियों ने शनिवार को सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोगों ने तीन सूत्रीय ज्ञापन प्रशासन के जरिए राष्ट्रपति को भेजा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर भ्रष्टाचार, अराजकता आदि मुद्दों पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्र के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष मिश्र ने कहा कि जिन लोक लुभावने नारों के साथ जनता का वोट हासिल कर प्रदेश व केंद्र में भाजपा सत्ता में आई, वे सब अब हवा-हवाई हो गए। भाजपा जनता का ध्यान मुद्दों से हटा रही है। वादों को पूरा नहीं कर रही है। केंद्र सरकार के खिलाफ सदन में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर राहुल गांधी के बयान को कार्यकर्ताओं ने सराहा। साथ ही योगी सरकार पर आरोप मढ़ा कि युवा, वृद्ध महिला कोई भी इनके राज में सुरक्षित नहीं हैं। इस मौके पर पीसीसी सदस्य हौंसिला भीम, विनय विक्रम सिंह, पूर्व अध्यक्ष विष्णु प्रकाश तिवारी, फिरोज अहमद, जगदीश सिंह, अनिल सिंह, धर्मराज मिश्र, विनय तिवारी, अभिषेक सिंह राणा, अजमत खां, सुमिता, सावित्री, किरन राना, राजेश तिवारी, अंजू, गीता, आलोक उपाध्याय, शीतला साहू, इलियास खान, सुरेंद्र, रब्बन, चंद्रावती, जयदीप, पवन आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी रखेंगे भगवान राम की प्रतिमा की आधारशिला - रीता बहुगुणा

फैजाबाद, अयोध्या में जल्द ही भगवान राम की 153 मीटर ऊंची प्रतिमा लगाने का काम आरंभ होगा। प्रदेश की पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहाकि इसकी योजना तैयार कर ली गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द ही प्रतिमा की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार के दीपोत्सव में विदेशी मेहमानों को भी आमंत्रित किया गया है। पिछले वर्ष यह आयोजन थोड़ा जल्दबाजी में हुआ था, लेकिन इस बार दीपोत्सव की छटा अलौकिक रहेगी। वे देवकाली स्थित एपी पैलेस में होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का उद्घाटन करने यहां आई थीं। उन्होंने कहाकि अयोध्या में करीब तीन सौ करोड़ रुपये का कार्य चल रहा है। घाटों व राम की पैड़ी का सुंदरीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहाकि यूपी पर्यटन के क्षेत्र में काफी बेहतर हुआ है। कुंभ को लेकर इलाहाबाद, वाराणसी और लखनऊ में भी पर्यटन का विस्तार हुआ है, जबकि कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की घोषणा हो चुकी है। इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि यहां पर्यटकों की संख्या भी बढ़ी है। इसलिए टूरिज्म में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि सितंबर माह में पर्यटन उद्योग व होटल से जुड़े उद्यमियों का सम्मेलन लखनऊ में आयोजित करने की योजना बनी है। इंस्टीट्यूट के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने बताया कि इस संस्था का मकसद युवाओं को होटल प्रबंधन का कुशल प्रशिक्षण देना है। इस मौके पर डा. उर्फी, कल्पना एस बर्मन, चंद्रप्रकाश गुप्त, विशाल गुप्त, अमित सिंह, पुनीत मेहरोत्रा, संगीता अग्रवाल, प्रभात टंडन, नमिता मेहरोत्रा, राजीव सिंह, राजेंद्र प्रताप सिंह, केके सिन्हा, एसपी सिटी अनिल सिंह, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी बृजपाल सिंह, मधु गुप्ता, आशा अग्रवाल, पल्लवी गोयल आदि थे।

नागा बाबा मंदिर के महंत पर हमला

गोंडा, प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही संत व महंतों पर हमले बढ़ रहे हैं। गोंडा में कल देर रात नागा बाबा मंदिर के महंत पर लोगों ने जानलेवा हमला बोला। जिससे वह घायल हो गए हैं। जानकारी होने पर पुलिस इस मामले की पड़ताल कर रही है। गोंडा के नगर कोतवाली के मालवीय नगर में नागा बाबा मंदिर के महंत पर दबंगों ने बीती रात हमला करके उनको घायल कर दिया। इस घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल का काम शुरू कर दिया है। नागा बाबा मंदिर के महंत ओंकार गिरि ने बताया कि रात में जब वह सोने की तैयारी कर रहे थे, तभी एकाएक चार-पांच लोग मंदिर में घुस आए।

मासूम संग विवाहिता ने लगाई नदी में छलांग

बस्ती. कोतवाली क्षेत्र के मूड़घाट पुल से शाम एक महिला ने अचानक डेढ़ साल के मासूम के साथ पुल से कुआनो नदी में छलांग लगा दी। नदी में मछली पकड़ने वाले कुछ लोगों ने विवाहिता को डूबने से बचा तो लिया, मगर डेढ़ साल के मासूम का पता नहीं चल सका। कप्तानगंज थाने के विशुनपुरा गांव की रहने वाली रीता (22) पत्नी प्रवीन शनिवार की शाम को घर से अचानक आटो रिक्शा से मूड़घाट पुल पर पहुंची। पुल पर डेढ़ साल के बेटे अभिषेक के साथ उतरने के बाद अचानक उसने पुल के नीचे नदी में छलांग लगा दी। घटना से आवाक नदी में मछली पकड़ने वाले लोगों के साथ राहगीर भी सकते में आ गए। कुछ मछुआरों ने हिम्मत जुटाई और नदी में कूद पड़े। उन्होंने रीता को तो नदी से निकालकर बचा लिया, मगर उसके बेटे अभिषेक का पता नहीं चल सका।

इसी बीच विवाहिता का भाई राजकुमार भी पहुंच गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग पुल और नदी के किनारे एकत्र हो गए। मौके पर कोतवाल एमपी चतुर्वेदी, कटरा चौकी की पुलिस फोर्स और डायल 100 टीम भी पहुंच गई। बच्चे का नदी में देर शाम तक कुछ पता नहीं चल सका। आशंका जताई जा रही है कि नदी के बहाव में बच्चा बह गया होगा। नदी में बच्चे के साथ कूदी रीता ने बताया कि उसका पति दिल्ली रहता है। उसका संबंध उससे ठीक नहीं था, अक्सर वह उसे धमकी देता रहता था। जेठ व जेठानी भी उसे प्रताड़ित करते थे। ऐसे में उसने बच्चे के साथ नदी में कूदकर जान देने की सोची।

सरयू में नहाने गए दो किशोर डूबे, एक लापता

बस्ती, कलवारी थाना क्षेत्र के सरयू नदी के टांडा घाट पर रविवार की सुबह नहाते समय दो बालक डूबने लगे। एक को तो लोगों ने किसी तरह तो बचा लिया पर दूसरे का पता नहीं चल रहा है। कलवारी थाना क्षेत्र के चमनगंज निवासी 14 वर्षीय अंकित पुत्र सुमन्त व कलवारी मुस्तहकम निवासी16 वर्षीय शनी पुत्र ओमप्रकाश नदी में नहाते-नहाते गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे, अंकित किसी तरह बाहर आ गया लेकिन शनी का अभी तक पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मय फोर्स प्रभारी थानाध्यक्ष कलवारी शिवधारी स्थानीय लोगों के सहयोग से नाव व झाल के माध्यम से नदी में छानबीन की जा रही है।

टेंपो पर गिरा पेड़, ३ लोग घायल

पिपरीडीह (मऊ), बरसात किसानों के लिए वरदान तो टेंपो में सवार यात्रियों व चालकों के लिए अभिशाप बन गई। थाना सरायलखंसी अंतर्गत फुलवरिया गांव के सामने बढुआगोदाम की तरफ से आ रहे टेंपो के ऊपर दोपहर के समय एक पेड़ गिर गया। बरसात के कारण शिशिर का पेड़ काफी वजनी हो गया था। इसमें महिला समेत दो अन्य दो घायल हो गए। सोनिया देवी पत्नी दलसिंगार निवासी रसूलपुर थाना चिरैयाकोट व छोटू पुत्र संपत निवासी भार गंभीर रूप से घायल हो गए।

घाघरा नदी के कटान से देवारांचल में पलायन

आजमगढ़, जिले के उत्तरी छोर में बहने वाली घाघरा नदी के जलस्तर में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। नेपाल के बनबसा बैराज से छोड़े गए पानी व

जिले व आसपास हो रही बारिश के कारण घाघरा नदी के जलस्तर बढ़ने लगा है। पानी का बहाव तेज होने के कारण कटान तेज है। देवारा खास राजा के त्रिलोकी के पूरा में आबादी व खेती योग्य जमीनों की कटान होने से लोगों का पलायन शुरू हो गया है। इससे देवारावासी भयभीत हैं। घाघरा नदी के जलस्तर में तीव्र गति से वृद्धि होने के कारण संपर्क मार्ग डूब रहे हैं। इससे पूरी तरह आवागमन बाधित हो गया है। लोग कमर से ऊपर पानी से होकर आवागमन कर रहे हैं। वहीं स्कूली बच्चों की पढ़ाई ठप हो गई है। नाव अभी तक नहीं लगाई गई है जिससे देवारावासियों को आने-जाने में खासा मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। रोजमर्रा के सामान की खरीदारी करने के लिए रौनापार व हाजीपुर बाजार जाने में परेशानी हो रही है। शुक्रवार की शाम डिघिया गेज पर नदी का जलस्तर 69.57 मीटर था, शनिवार को सुबह 69.76 मीटर एवं शाम को जलस्तर 69.84 मीटर पर पहुंच गया। वहीं शुक्रवार की शाम बदरहुआ गेज पर नदी का जलस्तर 70.32 मीटर पर था, शनिवार की सुबह यहां जलस्तर 70.60 मीटर और शाम को 70.68 मीटर पर पहुंच गया।

पंजीकरण के अनुरूप नहीं रहते चिकित्सक

ज्ञानपुर (भदोही), पंजीकृत निजी चिकित्सालयों में चिकित्सकों के दर्ज विवरण के सापेक्ष चिकित्सक उपस्थित नहीं होते हैं। अभिलेखों में दर्ज चिकित्सकों के हिसाब से अधिकांश चिकित्सकों की झलक देखने को नहीं मिलती है। आलम यह है एक ही चिकित्सक कई अस्पतालों में मरीजों को देखने के लिए बैठते हैं। निजी चिकित्सालयों के संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग में पंजीकरण कराना अनिवार्य होता है। रजिस्ट्रेशन संबंधी अभिलेखों में उपचार से संबंधित डिग्री धारक चिकित्सकों का विवरण व योग्यता भी दर्ज किया जाता है। पंजीकृत चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति व विशेषज्ञता से संबंधित मरीजों का उपचार किए जाने का प्रावधान है। बावजूद इसके पंजीकृत चिकित्सक अस्पताल में दिखाई नहीं पड़ते हैं।

आबकारी कालोनी के गैराज में मिले लाखों रुपए

इलाहाबाद, कैंट थाना क्षेत्र के सर्कुलर रोड स्थित आबकारी कॉलोनी के एक गैराज में शनिवार दोपहर लाखों रुपये मिलने से खलबली मच गई। सूचना मिलते ही आबकारी के एडिशनल कमिश्नर, एसडीएम, इंस्पेक्टर कैंट ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। वहां कुकर में दो हजार और हरे रंग के थैले में पांच-पांच सौ की नई नोट की गड्डियां मिलीं। अभी तक यह नहीं पता चल सका है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और किसने रखा या किसका है। अल्कोहल विभाग के दीपक रस्तोगी की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा लिखकर पुलिस जांच कर रही है। दरअसल, मेरठ में कार्यरत रहे दीपक रस्तोगी की पोस्टिंग मम्फोर्डगंज स्थित आबकारी मुख्यालय में हुई थी। विभाग की ओर से उन्हें आबकारी कॉलोनी (पिंक कॉलोनी) में एचआईजी 17 एलाट हुआ है। शनिवार को उन्होंने कुछ कर्मचारियों व मजदूरों से पहले फ्लैट की सफाई करवाई। इसके बाद पानी की व्यवस्था कराने की बात कही। इस पर कर्मचारी व मजदूर नीचे सामान रखने व वाहन खड़ा करने के लिए गैराज एम/6 खुलवाए तो वहां कुछ सामान रखा था। कुकर और थैले नोट की गड्डी देख दंग रह गए। कर्मचारी दीपक रस्तोगी से पैसे के बारे में बताया। जानकारी मिली तो एडिशनल कमिश्नर प्रशासन ओपी आर्या समेत कई अधिकारी फिर इंस्पेक्टर कैंट आरएस रावत व एसडीएम भी पहुंच गए। गैराज के बाहर ही नोटों की गिनती पुलिस के सिपाहियों ने की फिर कुकर समेत रुपये कब्जे में ले लिया गया। इंस्पेक्टर कैंट का कहना है कि लावारिस हाल में मिली रकम करीब आठ लाख रुपये है। सीसीटीवी खंगाला जा रहा है और पैसे के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। एक गैराज में लाखों रुपये मिलने के बाद जब पुलिस ने उसके बगल वाले गैराज की जांच की तो चौंकाने वाली स्थिति मिली। उन गैराज में ताला तो लटक रहा था लेकिन खुला था। उनके ताले क्यों खुले थे, इसका जवाब कर्मचारी भी नहीं दे पाए। आबकारी विभाग के कर्मचारियों में चर्चा है कि रकम करीब 30 लाख रुपये से अधिक थी। फिलहाल पुलिस कुछ कर्मचारियों व अधिकारियों की भूमिका की जांच कर रही है।

हाईटेंशन तार से टकराया ट्रेलर, ३ लोग झुलसे

गोरखपुर, जनपद संतकबीर नगर के मेहदावल थाना क्षेत्र के बीएमसीटी मार्ग बीमापार के पास एक ट्रेलर हाईटेंशन तार से टकरा गया जिसमें मैनपुरी जनपद निवासी ड्राइवर रामपाल पुत्र भगवान दास, खलाशी अवधेश पुत्र रछपाल सिंह, बुधराम पुत्र राम ललित बुरी तरह से झुलस गए। आसपास के लोगों ने तीनों को उपचार के लिए सीएचसी मेहदावल पहुंचाया जहां स्थित गंभीर देख तीनों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मौके पर बिजली विभाग एवं पुलिस टीम के लोगों ने पहुंचकर हालत सामान्य किया।

शातिर बदमाशों को पुलिस ने भेजा जेल

देवरिया, रामपुर कारखाना पुलिस ने चार दिन पूर्व पकड़े गए बाइक सवार बदमाशों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया। बदमाश चोरी की मोटर साइकिल पर दो नंबर प्लेट लगाकर चलते थे। साथ ही इनके पास से बरामद कट्टा में कारबाइन का कारतूस लोड था। चार दिन पूर्व कसया की तरफ से एक चालक ट्रक लेकर आ रहा था, इस बीच बाइक सवार बदमाश असलहा लहराते हुए उसका पीछा करते हुए ट्रक रोकने के लिए इशारा करने लगे। चालक ने होशियारी दिखाई और पुलिस को सूचना दे दी। सूचना के बाद पुलिस ने उन्हें रंगे हाथ दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों में राहुल गोंड पुत्र विष्णु निवासी ग्राम सठियांव निकट फाजिलनगर थाना पटहेरवा जिला कुशीनगर, राजा खरवार पुत्र मुन्ना निवासी ग्राम खाकी टोला चैबौली थाना तरकुलवा व जहीरूद्दीन उर्फ गोगा पुत्र सलाहुद्दीन निवासी ग्राम सठियांव निकट फाजिलनगर थाना पटहेरवा जिला कुशीनगर शामिल हैं।

कुएं में मिला लापता बालक का शव

भांवरकोल (गाजीपुर), स्थानीय थाना क्षेत्र के बढ़नपुरा गांव निवासी लापता बालक सतीश ठाकुर (०७) का शनिवार को घर के पास स्थित कुएं में शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। परिजनों व ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताते हुए गांव के पास एनएच-31 पर जाम लगा दिया। उनकी मांग थी कि पूरे मामले की छानबीन कर हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए। रास्ता जाम होने की जानकारी पर सीओ महिपाल पाठक दलबल के साथ पहुंचे और कार्रवाई का भरोसा देकर जाम समाप्त कराया।

सावन आने में कुछ ही दिन शेष, बदहाल व्यवस्था लगाएगी ठेस

वाराणसी, सावन माह शुरू होने में महज कुछ दिन का समय शेष है। जिस स्तर पर कांवरियों के लिए व्यवस्था होनी चाहिए थी वैसी नहीं हो पाई है। ऊंची-नीची और गड्ढायुक्त सड़कों व जाम की समस्या के बीच शहर में प्रवेश करते कांवरियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे ध्यान में रखकर शनिवार को राज्यमंत्री डा. नीलकंठ तिवारी ने सर्किट हाउस में आला अफसरों संग बैठक कर व्यवस्था को मुकम्मल का निर्देश दिया। राज्यमंत्री का कहना था कि 28 जुलाई से सावन शुरू हो रहा है। बाबा दरबार आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बनी बैरिकेडिंग में रेड कार्पेट बिछाया जाए। मुख्य मार्गों पर विकास प्राधिकरण एवं नगर क्षेत्र में नगर निगम स्वागत द्वार लगवाए। नगर के सभी शिव मंदिरों व चौराहों-तिराहों की सजावट की जाए। मंत्री ने सड़कें भी जल्द से जल्द दुरुस्त करने, मंदिरों की तीन शिफ्ट सफाई व कांवर समितियों के साथ तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कहा। मोबाइल टॉयलेट की सुविधा संग मुकम्मल पार्किंग व्यवस्था पर मंत्री ने जोर दिया। सावनभर सुलभ शौचालयों में कांवरियों से शुल्क न लेने को कहा। महमूरगंज फ्लाइओवर के नीचे सुंदरीकरण का निर्देश दिया। प्रमुख चौराहों पर ध्वनि विस्तारक यंत्र लगा कर ओमं नमः शिवाय धुन प्रसारित कराने और घाटों की दशा सुधारने को कहा। बैठक में एमएलसी अशोक धवन, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, डीएम सुरेंद्र सिंह, एसएसपी आनंद कुलकर्णी, एसपी सिटी दिनेश सिंह, एसपी ट्रैफिक सुरेश चंद्र रावत, मंत्री प्रतिनिधि आलोक श्रीवास्तव सहित तमाम विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

चौपाल लगाकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

सिद्धार्थनगर, अपना दल यस युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत चौधरी ने कपिलवस्तु विधानसभा के ग्राम अहड़ी, परसा, थरौली, ठोठरी बाजार, भुसौला में चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी। भारी संख्या में लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्राहण कराई और चौपाल में आए हुए लोगों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को मामले को जल्द से जल्द निपटाने के लिए निर्देशित किया। चौपाल में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कुछ जगह पर लोगों ने शिकायत भी कि अधिकारी किसी की सुनते नहीं हैं। इस पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जो भी अधिकारी अपने काम से भागेगा या भागने का प्रयास करेगा उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। भ्रष्टाचार में कोई लिप्त मिला तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। कहा कि केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सभी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लाने का काम कर रही है। यदि विकास के बीच में कोई भी अधिकारी अपने काम से पीछे हटेगा या भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाएगा तो उसकी रिपोर्ट अपना दल यस मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का काम करेगा।

पानी बरसने से दीवार ढही, ३ बच्चे दबे

सुलतानपुर, मानसून की आंख मिचौली से त्रस्त आमजन और किसानों के लिए शनिवार का दिन सुखद साबित हुआ। शुक्रवार की देररात से शुरू हुई वर्षा शनिवार को दिनभर जारी रही। इस दौरान मोतिगरपुर क्षेत्र में बढ़ौनाडीह गांव में दीवार ढहने से तीन बच्चे दब गए। आनन-फानन में ग्रामीण मौके पर पहुंचकर मिट्टी हटाकर बच्चों को बाहर निकाला। मोतिगरपुर थानाक्षेत्र के बढ़ौनाडीह गांव निवासी राम प्रताप की दो पुत्रियां संगीता (15), सरिता (18) व एक पुत्र हदयराम (13) छप्पर में सो रहे थे। शनिवार की सुबह पड़ोसी का खपरैल घर की दीवार छप्पर पर गिर पड़ी। उसी के नीचे तीनों बच्चे दब गए। आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़े और किसी तरह तीनों बच्चों को बाहर निकाला। घायलों को कादीपुर सीएचसी ले जाया गया। जहां से संगीता को सुलतानपुर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि सुलतानपुर के डाक्टरों ने उसे लखनऊ मेडिकल कालेज रेफर कर दिया है।

शौचालय के नाम पर ठगे २० हजार

सीखड़ (मिर्जापुर), शौचालय बनवाने के लिए मेड़िया गांव के प्रकाश नारायण से बीस हजार रुपये की ठगी कर दो युवक फरार हो गए। भुक्तभोगी ने इसका शिकायती पत्र चौकी प्रभारी अदलपुरा को शनिवार को दिया है। उसने शिकायत की है कि गुरुवार की शाम को दो लोग उसके पास आए और कहा कि ४० हजार की लागत के दो शौचालय आए हैं। जिनको पास कराने के लिए बीस हजार रुपये लगेंगे। प्रकाश नारायण उनकी बातों में आ गया और उन्हें २० हजार रुपये दे दिए।

रिमझिम बरसात से गिरा तापमान, मौसम हुआ सुहाना

प्रतापगढ़, लंबे इंतजार के बाद मेघों ने प्रतापगढ़ को भिगोया। शुक्रवार की रात से शुरू हुई रिमझिम बरसात ने शनिवार को दोपहर बाद तक राहत दी। धीरे-धीरे बरसने से यह पानी खेतों में रिसा भी, जिससे किसानों के काम आएगा। पिछले एक सप्ताह से गर्मी ने लोगों को बेहाल कर रखा था। उमस ने मुश्किल और बढ़ा दी थी। न घर के बाहर राहत थी न भीतर ही सुकून मिल पा रहा था। तापमान भी कभी 38 तो कभी 40 के आसपास बना रहा। धान की रोपाई भी बाधित होने लगी थी, पर शनिवार को ऐसा बिल्कुल नहीं था। हर तरफ सुहाने मौसम की खनक थी। लोग सुकून महसूस कर रहे थे। वजह यह कि तापमान शुक्रवार दिन से शनिवार को पूरे 14 डिग्री कम हो गया था और बरसात 45 मिमी हुई। मौसम में आए बदलाव से बिना बिजली के भी नींद आ जा रही थी। यह बात जरूर रही कि कुछ परंपरागत स्थानों, सड़कों व गलियों में पानी भरने से थोड़ी मुश्किल भी पेश आई। उधर, बारिश से नरी गांव में शनिवार को भोर में रामचंद्र यादव के कच्चे घर की दीवार गिर गई। वह दीवार के नीचे दब गया और उसकी मौत हो गई। मौके पर रानीगंज पुलिस व नायब तहसीलदार वीरपाल सिंह मौके पर पहुंचे। नायब तहसीलदार ने आर्थिक सहायता के लिए रिपोर्ट डीएम को भेजी।

समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण करें निस्तारण- ईश्वरचंद्र

अमेठी, थानों में कल समाधान दिवस का आयोजन किया गया। दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाधान किया। जगदीशपुर थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी ईश्वरचंद्र व अपर पुलिस अधीक्षक बीसी दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। एडीएम ने मातहतों को निर्देशित करते हुए कहाकि सभी मामलों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समय से हो। दिवस में कुल छह शिकायतें आईं, जिसमें एक का मौके पर निस्तारण किया गया। इस मौके पर एसओ श्याम सुंदर सहित कानून गो के साथ हल्का लेखपाल मौजूद रहे। जायस कोतवाली परिसर में एसडीएम गिरजेश चौधरी व सीओ पीयूषकांत राय की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर राजस्व से संबंधी आठ मामले आये, जिनमें दो मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। मौके पर प्रभारी कोतवाल रविंद्र सिंह सहित सभी राजस्व कर्मी मौजूद रहे। फुरसतगंज थाने पर थाना प्रभारी भरत उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जहां तीन शिकायतें आई। डीएम शकुंतला गौतम व एसपी केके गहलौत ने पीपरपुर में समाधान दिवस के तहत शिकायतें सुनीं।

२०० मॉडल स्कूलों में स्मार्ट होंगे बच्चे

पटवध (सोनभद्र), सोन स्कूल कायाकल्प का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला शनिवार को पटवध स्थित प्राथमिक विद्यालय पर संपन्न हुआ। इस दौरान जिले के 174 ग्राम पंचायतों में स्थित 200 स्कूलों को मॉडल स्कूल बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि जनपद की ग्राम पंचायतों को प्राप्त राज्य वित्त आयोग व 14 वां वित्त आयोग की धनराशि से स्कूलों को मॉडल स्कूल बनाया जाएगा। इसके लिए संबंधित ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, प्रधानाध्यापकों को जानकारी दे दी गई है, ताकि वह इस कार्य में अभी से लग जाएं। श्री सिंह ने बताया कि मॉडल स्कूलों के फर्श में टाइल्स, वॉल पेंटिंग, उन्नत शौचालय का होना अनिवार्य किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि स्मार्ट स्कूल में पढ़ने वाले छात्र भी स्मार्ट होंगे, इसी तर्ज पर यह कार्य किया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को हर प्रकार की सुविधा मिले इसके लिए शासन स्तर पर तमाम योजनाएं लाई गई हैं।

सीएनजी पंप संचालक आज से हड़ताल पर

सूरत। ट्रांसपोर्ट संचलाकों की हड़ताल तीन दिन से जारी है, और अब सीएनजी पंप संचालक सोमवार से बेमियादी हड़ताल पर जा रहे है। सीएनजी पंप संचालकों का कहना है कि उन्हें पीएसयू पंप संचालकों के मुकाबले कम सर्विस चार्ज मिलता है। पेट्रोल-डीजल के साथ सीएनजी गैस बेचने वाले पीएसयू पंप धारकों को प्रति किलो 3.11 रुपए और सीएनजी पंप धारों को 2.60 रुपए सर्विस चार्ज चुकाया जाता है। सीएनजी फ्रेंचाइजी एसोशिएशन की और से इस सिलसिलें में गुजरात गैस कंपनी को कई बार शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसलिए राज्यभर में फ्रेंचाइज पंप धारकों ने 23 जुलाई से पंप बंद करने का ऐलान किया है। पूरे गुजरात में 60 और सूरत में 35 सीएनजी पंप बंद रहेंगे। सूरत में एक दिन में 7 से 10 हजार किलो सीएनजी गैस की बिक्री होती है, जो सोमवार से बाधित होगी। सीएनजी पंप संचालक एसोशिएशन के प्रमुख नीरज मोदी ने कहा कि कंपनी की और से हमारे साथ अन्याय किया जा रहा है। सीएनजी पंप के नजदीक के पेट्रोल पंप को भी सीएनजी पंप के लिए लाइसेंस दे दिया जाता है। इससे हमारा व्यापार घट जाता है। इसके अलावा हमें उनकी अपेक्षा कक्रमीशन भी कम दिया जाता है। यदि कोई सीएनजी संचालक पंप बंद करना चाहता है तो उसे 18 महीनें पहले नोटिस देने की बात कहकर रोक दिया जाता है।

ट्राफिक विभाग का महत्व का निर्णय

शोपिंग मॉल्स और अन्य स्थलों पर फ्री पार्किंग व्यवस्था लागू

पार्किंग फ्री व्यवस्था पर नागरिकों में खुशी : हिमालया, आल्फा वन मॉल सहित के स्थलों पर कार्यान्वयन शुरू

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में ट्राफिक और पार्किंग की समस्या का हल करने के उद्देश्य से रविवार को ट्राफिक विभाग द्वारा महत्व के निर्देश जारी करके शोपिंग मॉल्स सहित के स्थलों पर फ्री पार्किंग की व्यवस्था लागू करने से लोगों में खुशी की लहर फैल गई। शहर के ड्राइवइन रोड पर हिमालया मॉल, आल्फा वन मॉल सहित के विभिन्न स्थलों पर यह निर्णय को रविवार से कार्यान्वयन शुरू किया गया।

इतना ही नहीं, हिमालया मॉल सहित के स्थलों पर तो फ्री पार्किंग व्यवस्था दिखाई दे इस तरीके से एक से ज्यादा बोर्ड लगाये हुए दिखाई दे रहे थे। जिसके कारण लोग फ्री पार्किंग में वाहनों को पार्क करने के लिए प्रेरित हुए और इसी वजह से रोड पर के अंधाधुंध पार्किंग और ट्राफिक में कमी दर्ज की गई ।

ट्राफिक विभाग द्वारा यह स्पष्ट निर्देश जारी किया गया है कि, यदि कोई शोपिंग मॉल्स या संबंधित स्थलों पर पार्किंग का चार्ज वसूल करने की शिकायत मिलेगी तो ऐसे शोपिंग मॉल्स और स्थलों के जिम्मेदार मालिक के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जायेगी। शहर में ट्राफिक की बढ़ रही स्थिति और अंधाधुंध पार्किंग के मुद्दे पर हाल में ही गुजरात हाईकोर्ट ने लगायी फटकार बाद एसजी हाईवे पर राजपथ क्लब को सील किया गया था और इसके आगे के रोड पर अंधाधुंध पार्किंग के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की गई थी। जिसकी वजह से शहरभर में भारी सनसनी मच गई थी। हाईकोर्ट की फटकार के बाद ट्राफिक विभाग और अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन प्रशासन ने शहर के एसजी हाईवे के अलावा शहर के महत्व के पोइन्ट और स्थलों पर पहुंचकर गैरकानूनी और अंधाधुंध पार्किंग के विरूद्ध अभियान शुरू किया गया है। जिसे लेकर लोगों में दहशत फैल गई है। हालांकि, रविवार को ट्राफिक विभाग द्वारा महत्व के निर्देश जारी करके शहर के शोपिंग मॉल्स सहित के विभिन्न स्थलों पर फ्री पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कहा गया।

लोगों ने नाराज होकर डम्पर में तोड़फोड़ की

डम्पर की टक्कर से महिला की मौत

डम्परचालक नहीं गिरफ्तार होगा तब तक परिवारजनों ने महिला का शव लेने से इनकार किया

अहमदाबाद । शहर के रखियाल क्षेत्र में अजीत मिल चार रास्ते के पास रविवार को दोपहर में एक एक्टिवाचालक महिला को एक डम्परचालक ने अपना वाहन अंधाधुंध तरीके से चलाकर महिला को अपनी चपेट में लेने पर महिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी । जिसके कारण पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई थी और स्थानीय लोगों में शोक की लहर फैल गई । डम्परचालक के दुर्घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में आरोपी डम्परचालक के विरूद्ध नाराजगी फैल गई थी और नाराज लोगों ने डम्पर में तोड़फोड़ की । परिस्थिति की गंभीरता को ध्यान में लेकर पुलिस ने तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में ले लिया और फरार हुए डम्परचालक को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी है।

एक्टिवाचालक महिला की डम्परचालक की टक्कर से मौत बाद इसके परिवारजनों ने एक समय में महिला का शव लेने से इनकार कर दिया और इसके कारण लगातार तीन घंटे तक महिला का शव रास्ते पर ही था । आखिर में पुलिस के हस्तक्षेप और विनंती बाद परिवारजनों ने मृतक महिला का शव स्वीकार किया गया । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, शहर के रखियाल रोड पर अजीत मिल चार रास्ते के पास रविवार को दोपहर में एक महिला अपनी एक्टिवा पर जा रही थी तब एक डम्परचालक ने अपना वाहन लापरवाही तरीके से चलाकर इसे टक्कर मार दिया। जिसके कारण गंभीर चोटें आयी जिसकी वजह से महिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। महिला की मौत होने पर डर गये डम्परचालक अपना वाहन वहीं पर छोड़कर फरार हो गया।

हालांकि घटना स्थल पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और महिला की मौत होने की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों में शोक की लहर फैल गई । इतना नहीं, लोगों में डम्परचालक के विरूद्ध नाराजगी फैल गई थी और स्थानीय लोगों ने नाराज होकर डम्पर में तोड़फोड़ की और फरार हुए डम्परचालक को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी है।

सूरत। जी.एस.टी में हुए सूधारों से खुश होकर व्यापारी पटाखें फोड़ते हुए एस.टी.एम मार्केट रिंग रोड़ ।

सूरत के परबत पाटीया में खाडी का पानी घुसा

उत्तर तथा दक्षिण गुजरात में बारिश : सूरत में भारी बारिश

पिछले २४ घंटे में कई क्षेत्रों में बारिश हुई : चोर्यासी, बारडोली, पलसाणा सहित के क्षेत्रों में पांच इंच बारिश

अहमदाबाद । गुजरात राज्य में रविवार को उत्तर और दक्षिण गुजरात के क्षेत्रों में बारिश जारी रही । विशेष करके सूरत जिले में बारिश का जोर और दर्ज किया गया । सूरत में भारी बारिश की वजह से स्थानीय पानी का जलस्तर उल्लेखनीय तरीके से बढ़ गया और कांकरा और मीठी खाडी ने भयज नक स्तर को पार करने पर परबत पाटीया की स्कूल सहित की तीन स्थानीय स्कूल खाडी के पानी में डूब गई थी । सिर्फ स्कूल ही नहीं परवत पाटिया और इसके आसपास के क्षेत्रों में लोगों के घरों-दुकानों और बाजारों में भी खाडी का पानी आ गया, जिसे लेकर स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा । पिछले २४ घंटे में सूरत जिले में सबसे ज्यादा बारिश मांगरोल में छह इंच से अधिक दर्ज की गई। इसी प्रकार से चोर्यासी, बारडोली, पलसाणा सहित के क्षेत्रों में भी पांच इंच से ज्यादा बारिश दर्ज होने पर सभी जगहों पर जल भराव की स्थिति देखने को मिली।

इतना ही नहीं, ओलपाड, मांगरोल, उमरपाडा सहित उपरवास में भारी बारिश की वजह से स्थानीय कीम नदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया। मोटा बोरसरा से नरोली जाता मार्ग पुलिया पर पानी वापस आने पर यह बंद हो गया । जिसकी वजह से वाहनचालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। राज्य के ९२ तहसीलों में रविवार को उल्लेखनीय बारिश दर्ज की गई। जिसमें सबसे ज्यादा बारिश सूरत जिला के उमरपाडा तहसील में १३ इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई । जिसके कारण उमरपाडा क्षेत्र और इसके आसपास के क्षेत्रों में जल भराव हो गया । जबकि नर्मदा जिला के सागबारा में सात इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई ।

गुजरात में बारिश.....

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद,२२ जुलाई ।

गुजरातें पिछले आठ दिन में सिजन की ५० प्रतिशथ बारिश हो चुकी है। गुजरात स्टेट डिजास्टर मेनेजमेन्ट ओथॉरिटी के द्वारा जो आंकड़े जारी किये गए थे उसके मुताबिक क्षेत्रवाइज गुजरात में कहा कितनी बारिश हुई उसके आंकड़े नीचे के अनुसार है।

स्थल	सिजनल बारिश (प्रतिशत)
दक्षिण गुजरात	६७.५
सौराष्ट्र	५८.५
पूर्व-मध्य गुजरात	३८
उत्तर गुजरात	२७.५
कच्छ	११

सूरत। प्र. पुज्य पदमदर्शन म.सा. चतुर्मास के दौरान अपने भक्तों को ज्ञान बाटते हुए आराधना भवन तरिकम नगर वराछा।

दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र में भारी बारिश की चेतावनी

अहमदाबाद । गुजरात के अलग-अलग क्षेत्रों में मॉनसून सक्रिय है । अगल अलग सिस्टम सक्रिय होने से आगामी पांच दिन के दौरान भारी बारिश हो सकती है । दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। तंत्र की चेतावनी जहा दि गई है उस क्षेत्र में जरुरी कदम लिये जा रहे है। सौराष्ट्र में भी कई जगहों पर भारी बारिश हुई है। जबकि बारिश का माहौल अभी भी जारी रहा है। एक साथ तीन सिस्टम सक्रिय होने की वजह से अभी भारी बारिश हो सकती है । आगामी पांच दिन के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है । मौसम विभाग के बताये अनुसार गुजरात में अभी भी भारी बारिश का दौर चलने की संभावना है। रविवार से भी बारिश जारी रहेगी । बंगाल की खाड़ी में लॉ प्रेशर की स्थिति पैदा हुई है । गुजरात के बहुत से इलाको के लिए भारी बारिश की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है । मौसम विभाग के अनुसार २३ से २६ जुलाई के दौरान उत्तर गुजरात, मध्य गुजरात में व्यापक बारिश होने की संभावना है। दुसरी ओर सौराष्ट्र के तटीय इलाको में एवं दक्षिण गुजरात में बरसात का जोर कम होता दिख रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि बनासकांठा, पाटण, महेसाणा, साबरकांठा, अरवली, महिसागर, नर्मदा, भरुच, सुरत, डांग, नवसारी, वलसाड, तापी, दमण में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा अहमदाबाद में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। गांधीनगर, आणंद और खेडा में भी भारी बारिश हो सकती है। वलसाड और नवसारी जिले के अलग अलग क्षेत्रो में बारिश होने की चेतावनी दी गई है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com